नई सोच, नया आयाम

RNI No. CHHHIN/2009/35020

जोहार छत्तीसगढ़

दैनिक हिन्दी

◆ वर्ष: -14 ◆ अंक: 199 डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्य: 2 ₹ ◆ पृष्ठ : 4

धरमजयगढ़, गुरुवार 26 मई 2022

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in

पेज -3 पर

मौन सत्याग्रह जिला प्रशासन का गजब खेल, आवेदन और अनुमति में नहीं ....

नौतपा के पहले दिन दिखा भीषण गर्मी का असर

पेज -4 पर

एक नजर

मंत्री डॉ. टेकाम ने झीरम घाटी के शहीदों को दी विनम्र श्रद्धांजलि

रायपुर। अनुसूचित जाति एवं जनजाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने आज अपने निवास कार्यालय में झीरम घाटी में शहीदों को श्रद्धांजलि दी। डॉ. टेकाम ने झीरम घाटी की घटना में शहीद हुए स्वर्गीय श्री नंद कुमार पटेल और स्वर्गीय श्री महेन्द्र कर्मा के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर उन्हें नमन किया। मंत्री डॉ. टेकाम ने शहीदों को श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए कहा कि 25 मई 2013 को झीरम घाटी के नक्सली हमले में हमने अपने कई साथियों को खो दिया। उन्होंने देशभक्त शहीदों की वीरता को सलाम करते हुए कहा कि उनकी शहादत को हम कभी भूल नहीं सकते। इस अवसर पर अध्यक्ष छत्तीसगढ़ तेलघानी बोर्ड श्री संदीप साहू, साहू समाज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री टहल साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

बिजली कर्मियों को भी मिलेगी पुरानी पेंशन

रायपुर । छग राज्य के कर्मचारियों के तर्ज पर अब बिजली विभाग के भी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ मिलने वाला है। बिजली विभाग के शीर्ष अधिकारी से एनएम ओपीएस के प्रदेश अध्यक्ष राकेश सिंह की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। मुलाकात के दौरान सीएसईबी की तरफसे इस बात के संकेत मिले हैं कि जल्द ही प्रदेश के बिजलीकर्मियों को भी पुरानी पेंशन योजना का लाभ मिलेगा। अभी बिजली कर्मियों को एनपीएस के ही दायरे में रखा गया है, लेकिन आज हुई मुलाकात के बाद सीएसईबी के कर्मचारियों को भी एनपीएस से हटाकर ओपीएस में शामिल करने के संकेत मिले हैं। राकेश सिंह के नेतृत्व में उज्ज्वला बघेल प्रबंध निदेशक ट्रांसमिशन को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान किरण दुबे , संदीप अग्रवाल ,रितेश सिंह ठाकुर , प्रसन्न दुबे, राकेश खोन्डे, नरानजे ,अमित यादव ,देवांगन, मोरध्वज जायसवाल आदि उपस्थित रहे। माना जा रहा है कि जून से एनपीएस की कटौती बंद हो जायेगी और जुलाई से प्रदेश के बिजली कर्मियों को ओपीएस का लाभ मिलने लगेगा।

जगदलपुर में झीरम घाटी शहीद मेमोरियल स्मारक आम जनता को लोकार्पित

लोगों के दिलों में सदैव जीवित रहेंगे झीरम घाटी के शहीद : मुख्यमंत्री

शहीदों की याद में सदैव लहराता रहेगा 100 फीट ऊंचा तिरंगा

रायपुर। आज से ठीक 9 साल पहले बस्तर के झीरम घाटी में हुए नक्सली हमले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और पुलिस के जवानों समेत 32 लोग शहीद हो गए थे।

शहीदों को सम्मान देने के लिए आज के दिन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जगदलपुर के लालबाग मैदान में उपस्थित थे। झीरम घाटी में शहीद 32 लोगों की यादों को आम लोगों के दिलों में सदैव जिंदा रखने के लिए जगदलपुर के लागबाग मैदान में झीरम घाटी शहीद स्मारक का निर्माण किया गया है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज इस मेमोरियल को आम जनता के नाम लोकार्पित किया। मुख्यमंत्री ने मेमोरियल परिसर में ही 100 फीट ऊंचे तिरंगे का भी ध्वजारोहण किया जो शहीदों के सम्मान के रूप में सदैव लहराता रहेगा। झीरम घाटी में शहीद 32 जनप्रतिनिधियों एवं जवानों की मूर्तियां उनके नाम के साथ स्थापित की गयी हैं जो उनकी पहचान को सदैव जीवित रखेंगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने मेमोरियल में मौजूद शहीदों के परिजनों से मुलाकात की तथा उन्हें शाल, श्रीफल और पौधे के रूप में झीरम स्मृति भेंट करते हुए उन्हें सम्मान प्रदान किया। छत्तीसगढ़ के अन्य शहरों से भी शहीदों के परिजन वर्चुअल रूप से आनलाइन माध्यम से जुड़े हुए थे। मुख्यमंत्री ने शहीदों के परिजनों से बात की तथा शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए उनके द्वारा किए गए कार्यों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हर किसी के साथ न्याय हो रहा है और आज का छत्तीसगढ़ शांति के टापू के रूप में विकसित हो रहा है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि झीरम घाटी के शहीद जहां भी होंगे वो हमें आशीष दे रहे होंगे। मुख्यमंत्री ने शहीदों के परिजनों से बात करते हुए हर सुख दुख में उनके साथ खड़े रहने का वायदा किया और परिजनों के हिम्मत तथा हौंसले की तारीफ की।

झीरम हत्याकांड के 9 साल बाद नया गवाह

पहली बार सामने आया बिट्टू, जिसने देखी महेंद्र कर्मा की हत्या, कहा- लाश पर गोलियां चलाते रहे नक्सली

रायपुर। 25 मई 2013 की वो घटना जिसने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया था। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के कई शीर्ष नेताओं सहित 32 लोग जिस नरसंहार में मारे गए थे, उस झीरम घाटी हत्याकांड को आज 9 साल पूरे हो गए।

नक्सलियों की यह नृशंस वारदात महज आतंक मचाने के लिए थी या कोई राजनीतिक सुपारी किलिंग थी, यह सवाल नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) और एक न्यायिक आयोग की जांच पूरी होने के बावजूद सवाल ही है। इस नरसंहार के 9 साल बाद हमने फिर सुकमा जिले की दरभा-झीरम घाटी की यात्रा की। हमने उस रवि सलहोत्रा उर्फ बिट्टू से भी बात की, जिसने बस्तर टाइगर कहे जाने वाले पूर्व नेता प्रतिपक्ष महेंद्र कर्मा के साथ सरेंडर किया था। बिट्टू से महज 5 फीट की दूरी पर कर्मा को गोलियों से छलनी कर दिया गया था। वह पहली बार मीडिया के सामने आया है। बिट्टू को साथ लेकर हम पहुंचे उन्हीं जगहों पर जहां ये खूनी कहानी लिखी गई थी। इस दौरान हमने इस वारदात से जुड़ी कई ऐसी बातों को जाना जो तमाम रिपोर्ट्स, जांच, बयानों के बाद भी सामने आने से रह गई। ऐसी ही कुछ अनसुनी-अनकही बातों को झीरम शहीदों की नौवीं बरसी पर आप से साझा करते हैं। दरअसल बिट्टू उर्फ रवि, जगदलपुर के नेता मलकीत सिंह गैदू का ड्राइवर है। मलकीत की गाड़ी में ही महेंद्र कर्मा उस दिन सुकमा गए और उसी से लौट भी रहे थे। गाड़ी मलकीत चला रहे थे और एक गार्ड व बिट्टू पीछे बैठे थे। मलकीत शुरुआत से बताते हैं कि 2013 के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस परिवर्तन यात्रा निकाल रही थी।

सात साल की बच्ची से रेप,आरोपी 12 साल का,पीड़िता अस्पताल में भर्ती

सूरजपुर । राज्य में हाल फ्लिहाल के दिनों में रेप के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। इसी बीच जिले में 12 साल के नाबालिग ने 7 साल की बच्ची का दुष्कर्म किया है। उक्त घटना के बाद जब रोते हुए बच्ची अपने घर पहुंची तब मासूम ने पूरे दरिंदगी की दास्तां अपने परिजनों को बताई। उसने बताया कि जब वह पेड़ से आम तोड़ने का प्रयास कर रही थी। इस दौरान नाबालिग ने उसे आम का लालच दिया और घर ले गया। बच्ची के परिजनों ने सिटी कोतवाली पुलिस में शिकायत की है। फ्लिहाल पुलिस आरोपी नाबालिग से पूछताछ कर रही है। इधर बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस पूछताछ में यह बात सामने आई थी कि नाबालिग कोरोनाकाल में पढ़ाई करने के लिए दिए गए मोबाइल में पोर्न साइट देखने का आदी है।

मोबाइल फोन के लिए दोस्त का मर्डर

चाकू मारकर पटरियों पर फेंका, तीन टुकड़ों में कटा युवक का शरीर, नाबालिग था मास्टरमाइंड

रायपुर। रायपुर में तीन दिन पहले हुए एक मर्डर के मामले में हैरान कर देने वाला खुलासा हुआ है। तीन दिन पहले गुढ़ियारी के रेलवे ट्रैक पर एक युवक का क्षत-विक्षत शव मिला था। पुलिस इसे हादसा मानकर चल रही थी। इलाके में इस कांड के पीछे हत्या की चर्चा थी और आखिरकार तथ्य भी कुछ ऐसे ही सामने आए। पटरियों पर जिस युवक की लाश मिली थी उसे उसके ही दोस्तों ने मारा था। सारा बखेड़ा एक मोबाइल फोन की वजह से शुरू हुआ और एक जिंदगी खत्म हो गई। विकेश शेंद्र (19) नाम के युवक की हत्या उसके ही नाबालिग दोस्त ने की। पूरी प्लानिंग से घटना को अंजाम दिया गया। इस मामले में पुलिस ने दो नाबालिगों और वारदात में शामिल दो अन्य युवकों जीतू महानंद, दौलत निर्मलकर को पकड़ा है।

इनके पास से पुलिस ने इस हत्याकांड में इस्तेमाल स्कूटर, चाकू और मोबाइल फोन भी बरामद किया है।

गुढ़ियारी पुलिस पटरियों पर मिली लाश को हत्या नहीं मान रही थी। पुलिस को पोस्टमॉर्टम का इंतजार था। शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में ये बात सामने आई कि विकेश की हत्या चाकू मारकर की गई। बाद में उसे पटरियों पर फेंक दिया गया था। ट्रेन की चपेट में आने की वजह से विकेश का सिर, धड़ और कमर के निचले हिस्से समेत दोनों टांगे, अलग-अलग पड़े मिले थे।

बस्तर में नौतपा के दौरान बादल छाए रहने की संभावना

जगदलपुर । आज से नौतपा शुरू हो गया है, लेकिन मौसम विभाग ने बस्तर में नौतपा के दौरान बादल छाए रहने की संभावना व्यक्त किया है। इससे नवतपा में पड़ने वाली गर्मी से लोगों को राहत मिलेगी। बस्तर में वैसे भी अधिकतम तापमान बढ़ने के साथ ही यहां बारिश हो जाती है। नवतपा के दौरान भी हर साल बस्तर में बारिश होती है। हालांकि नवतपा में पड़ने वाली धूप को लेकर लोग परेशान रहते हैं। बस्तर में अब तक नवतपा के दौरान अधिकतम तापमान 42 डिसे तक ही पहुंचने का रिकार्ड दर्ज है।

ग्राम पटेल को अगवा कर नक्सलियों ने मार डाला

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बार्डर पर गया था तेंदूपत्ता एकत्र करने; पुलिस मुखबिरी के शक में हत्या की आशंका

जगदलपुर। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर माओवादियों ने बुधवार को एक युवक की हत्या कर दी है। युवक की पहचान गढ़चिरौली जिले के एक गांव के पटेल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवक तेंदूपत्ता जमा करने के लिए गया हुआ था। वहीं से माओवादियों ने पहले युवक का अपहरण किया और फिर धारदार हथियार से वारकर हत्या कर दी। जिसके बाद शव को सड़क पर फेंक दिया। मामला जिले के जामभिया गट्टा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक युवक का नाम कुछे वजा है। जो एटापल्ली तहसील के डोड्डूर गांव का रहने वाला था। युवक तेंदूपत्ता जमा करने के लिए एक फड़ में गया हुआ था। जब लौट रहा था उस समय ग्रामीण वेशभूषा में पहुंचे करीब 5 से 7 माओवादियों ने युवक का अपहरण कर लिया। फिर जंगल की तरफ लेकर गए। जहां पुलिस की मुखबिरी करने का आरोप लगाकर युवक पर धारदार हथियार से हमला कर मौत की सजा दे दी। वारदात को अंजाम देने के बाद माओवादियों ने उसे गांव के ही नजदीक सड़क पर फेंक दिया था। युवक के शव को देख इलाके के ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची गढ़चिरौली पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने अस्पताल भिजवाया है। वहीं पुलिस इस मामले की जांच में भी जुट गई है।

ब्राउन शुगर के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

पाकिस्तान से पंजाब के रास्ते लाया गया था ब्राउन शुगर

रायपुर । छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में नशे के काले कारोबार का बड़ा खुलासा हुआ है. पुलिस ने 6.9 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ तीन शातिर नशे के सौदागरों को गिरफ्तार किया है। मामला सरस्वती नगर थाना क्षेत्र का है, जहां पुलिस ने मास्टरमाइंड ड्रग तस्कर रुपिंदर सिंह समेत 3 शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के कब्जे से 6.9 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया है. आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि पाकिस्तान से पंजाब आने वाली ब्राउन शुगर को छत्तीसगढ़ में लाकर खपाया जा रहा है।

आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जानबूझकर कोयला परिवहन के नाम पर इस तरह से ट्रेनों को बंद कर रही है। उन्हें

ट्रेनों की बंदी पर भड़का गुस्सा, रेलमंत्री का फूंका पुतला

सड़क पर उतरे लोग; मालगाड़ियां रोककर कोयला परिवहन बंद करने की चेतावनी

बिलासपुर। बिलासपुर जोन की 36 ट्रेनों को बंद कर रेलवे ने यात्रियों की मुसीबतें बढ़ा दी है। इससे लोगों में खासा आक्रोश है। बुधवार को नाराज छात्र युवा नागरिक जोन संघर्ष समिति के बैनर तले लोगों ने तारबाहर चौक में केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव का पुतला फूंका और बंद की गई ट्रेनों को शुरू करने की मांग की।

पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाना है। समिति के पदाधिकारियों ने ट्रेनें बहाल नहीं करने पर रेल रोको आंदोलन कर कोयला लदान रोकने की चेतावनी दी है।

पिछले दो महीनों से लगातार ट्रेनों को रद्द किए जाने की वजह से पीक सीजन में यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। जिसे देखते हुए लगातार विरोध हो रहा है। शहर के साथ ही ग्रामीण इलाकों में लगातार विरोध प्रदर्शन कर रेलवे जोन के महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपकर ट्रेनें शुरू करने और स्टॉपेज बढ़ाने की मांग की जा रही है। फिर भी रेलवे प्रशासन को आम लोगों की सुविधाओं से कोई सरोकार नहीं है। यही वजह है कि कोयला परिवहन के नाम पर यात्री ट्रेनों को बंद किया जा रहा है। अभी हाल में रेलवे ने फिर से 36 ट्रेनों को कैंसिल कर दिया है, जिसके कारण यात्रियों को काफी दिक्कतें हो रही है।

छात्र युवा जोन संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने केंद्र सरकार और रेलवे पर जमकर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि पहले भारतीय रेल आमजनों को सुविधाएं मुहैया उपलब्ध कराने के लिए काम करता था। लेकिन, अब उद्देश्य बदल गया है और पूंजीपतियों के लाभ कमाने का जरिया बन गया है। यही वजह है कि मालगाड़ी चलाने के नाम पर यात्री सुविधाओं की बलि दी जा रही है। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आक्रोश... कहा- जबरदस्ती डाल रहे बोझ; समितियों ने कर्जदारों को खरीदना अनिवार्य किया

छत्तीसगढ़ में वर्मी कंपोस्ट के नाम पर मिट्टी-पत्थर,भड़के किसान

रायपुर। प्राथमिक साख सहकारी समितियों ने कर्जदार किसानों को प्रति एकड़ एक क्विंटल कम्पोस्ट खाद लेना अनिवार्य कर दिया है। इधर समितियों में जो खाद पहुंची है उसकी गुणवत्ता संदिग्ध है।

कम्पोस्ट में मिट्टी और पत्थर के टुकड़े देखकर किसान भड़के हुए हैं। किसानों ने भी इस खाद की अनिवार्यता खत्म करने की मांग की है। कम्पोस्ट खाद लेने के लिए गरियाबंद की बेलटुकरी सहकारी समिति पहुंचे किसान खाद की हालत देखकर नाराज हैं। स्थानीय किसान और अखिल भारतीय क्रांतिकारी किसान सभा के राज्य सचिव तेजराम विद्रोही ने बताया, खाद लेने से पहले उन लोगों ने खाद रखी जगह पर जाकर उसकी गुणवत्ता देखी। उसमें कम्पोस्ट के नाम पर मिट्टी और कंकड़ भरा हुआ था। इस पर हम किसानों ने आपत्ति की और बिना खाद लिए वापस आ गए। तेजराम का कहना है, सरकार ने सहकारी समितियों के माध्यम से सभी ऋणी किसानों को प्रति एकड़ एक क्विंटल गोबर खाद वर्मी कम्पोस्ट के नाम पर 10 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से देना अनिवार्य कर दिया है। कहा जा रहा है कि इससे जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा तथा रासायनिक खाद की कमी से निजात मिलेगी। विचार तो अच्छा है लेकिन वैसा काम हो नहीं रहा है। एक हजार रुपये प्रति क्विंटल की दर से दिए जाने वाला वर्मी कम्पोस्ट अमानक, वजन में कम और कंकड़-पत्थर से भरा हुआ है। विद्रोही का आरोप है, प्रदेश के अधिकांश गौठानों में गोबर खरीदी बंद है। जहां खरीदा जा रहा है, वहां खाद बनाने के लिए केंचुआ नहीं डाला गया। सूखे गोबर को पानी डालकर भुरभुरा कर दिया गया है और पैकेजिंग कर समितियों में भेज दिया गया है।

जोहार छत्तीसगढ़ विशेष खबर

मुख्यमंत्री ने नानगुर को दी सर्वसुविधायुक्त एम्बुलेंस की सौगात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने नानगुर ग्राम पंचायत में भेंट मुलाकात कार्यक्रम के उपरांत क्षेत्र वासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ऑक्सीजन, लाइफ सपोर्ट सिस्टम सहित सर्वसुविधायुक्त वातानुकूलित एम्बुलेंस की सौगात दी। उन्होंने एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर स्वास्थ्य केन्द्र के लिए रवाना किया। गौतलब है जिला प्रशासन ने यह एम्बुलेंस जिला खनिज संस्थान न्यास से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नानगुर को भेंट किया है, जिसका उपयोग गम्भीर मरीजों को तत्काल चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने के लिए किया जाएगा। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री कवासी लखमा, सांसद श्री दीपक बैज और विधायक श्री रेखचन्द जैन भी उपस्थित थे ।

क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पांच साल बेहद अहम, चीन की मनमानी पर लगेगी लगाम

हिंद महासागर में आई सुनामी के बाद तटीय देशों की मदद करने के उद्देश्य से वर्ष 2004 में क्वाड की शुरुआत हुई थी। वर्ष 2007 में जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने क्वाड को एक औपचारिक आकार देने की कोशिश की थी। लेकिन वह अपने लक्ष्य में सफल नहीं हुए,क्योंकि क्वाड का एक सदस्य ऑस्ट्रेलिया सशंकित था कि अगर क्वाड आक्रामक ढंग से चीन के खिलाफ मोर्चाबंदी शुरू करता है, तो चीन के साथ उसकी अपनी साझेदारी पर इसका असर पड़ेगा।

वर्ष 2017 में ऑस्ट्रेलिया चीन के मामले में अपने इस असमंजस से बाहर निकल तो आया, लेकिन इसके सदस्य देश तब अपने उद्देश्य में इसलिए सफल नहीं हो पाए, क्योंकि उसके बाद कोरोना महामारी ने दुनिया को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया था। फिर यूक्रेन संकट ने भी क्वाड के सदस्यों को हिंद-प्रशांत पर अपना ध्यान केंद्रित करने से रोके रखा। अलबत्ता जापान की राजधानी टोक्यो में हो रहे शिखर बैठक ने यह धारणा ध्वस्त कर दी कि क्वाड अपनी प्रासंगिकता खो रहा है।

टोक्यो शिखर बैठक इस तरह की दूसरी ही बैठक है, जिसमें क्वाड के नेता मौजूद हुए। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज और जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा ने क्वाड शिखर बैठक में पहली बार भाग लिया। शिखर बैठक से एक दिन पहले क्वाड के नेताओं ने हिंद-प्रशांत आर्थिक समूह (आईपीईएफ) की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य टिकाऊ विकास हासिल करने के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त, समावेशी, एक दूसरे से जुड़े और सुरक्षित रखना है।

यह अपनी विस्तारवादी नीतियों को बेहद आक्रामक ढंग से आगे बढ़ा रहे उस चीन को एक ठोस संदेश है, जिस पर अनैतिक व्यापार नीतियां लागू करने और आर्थिक बल प्रयोग करने का आरोप है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आईपीईएफ की शुरुआत को इस क्षेत्र को एक पावर हाउस बनाने की सामूहिक इच्छा के प्रतिबिंब के रूप में देखते हैं, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने का काम करेगा।

हालांकि चीनी विदेशमंत्री वांग यी ने हाल ही में लॉन्च किए गए आईपीईएफ पर निशाना साधते हुए कहा कि चीन क्षेत्रीय सहयोग के खिलाफ नहीं था, पर नए समूह में उसने विभाजन और टकराव पैदा करने का प्रयास देखा। क्वाड ने अब हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अवैध मछली पकड़ने की जांच में भी भूमिका निभाने का फैसला किया है। इस क्षेत्र में 95 प्रतिशत अवैध मछली पकड़ने की गतिविधियों के लिए चीन जिम्मेदार है।

क्वाड के एजेंडा में हिंद-प्रशांत

सदस्य देशों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पांच साल में पचास अरब डॉलर आवंटित करने का संकल्प लिया। साझा घोषणापत्र में भी इस क्षेत्र में ताकत के बल पर यथास्थिति बदलने के खिलाफ विचार व्यक्त किए गए और दक्षिण एवं पूर्व चीन सागर के सैन्यीकरण के खिलाफ चेतावनी जारी की गई।

वैश्विक मछली भंडार की अनियंत्रित लूट लाखों लोगों की आजीविका और खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। यह पहल भारत, सिंगापुर और प्रशांत क्षेत्र में मौजूदा निगरानी केंद्रों को जोड़ने के लिए उपग्रह प्रौद्योगिकी का उपयोग करेगी। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्वाड के रचनात्मक एजेंडे की ओर इशारा किया। उन्होंने टीका वितरण, जलवायु कार्रवाई, आपूर्ति शृंखला में लचीलापन, आपदा प्रतिक्रिया, आर्थिक सहयोग और कोविड-19 महामारी से उत्पन्न प्रतिकूल परिस्थितियों में समन्वय में वृद्धि पर प्रकाश डाला।

उनका कहना था कि क्वाड देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता में योगदान दे रहा है। क्वाड फेलोशिप भी लॉन्च की गई। यह अपनी तरह का पहला स्कॉलरशिप कार्यक्रम है, जिसे सदस्य देशों के वैज्ञानिकों और तकनीकविदों की अगली पीढ़ी के बीच संबंध बनाने के लिए तैयार किया गया है। यह फेलोशिप प्रति वर्ष हरेक क्वाड देश के 25 छात्रों को अमेरिका के विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित विश्वविद्यालयों में परास्नातक और डॉक्टरेट की डिग्री हासिल करने का मौका देगी।

अमेरिका ने यह भी एलान किया कि वह चीन को ताइवान पर जबरदस्ती कब्जा नहीं करने देगा, और अगर ऐसा कुछ होता है, तो वह सैन्य तरीके से जवाबी कार्रवाई करेगा। हालांकि, राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि अमेरिका अपनी %वन चाइना पॉलिसी% नहीं छोड़ रहा है और केवल ताइवान पर जबरन कब्जा करने के खिलाफ है। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने जितना यूक्रेन के लिए किया है, उससे कहीं अधिक वह ताइवान के लिए करेंगे। यूक्रेन के मामले में अमेरिका ने खुद को केवल हथियारों और खुफिया जानकारी की आपूर्ति तक सीमित रखा। बाइडन के इस बयान से चीन के साथ तनाव बढ़ने की आशंका है और ऐसा कहकर उन्होंने अपने प्रशासन को भी हैरान कर दिया है। अमेरिका पहले भी चीन को बल प्रयोग के खिलाफ चेतावनी दे चुका है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया था कि अगर ऐसा होता है, तो वह किस हद तक जाएगा। बाद में व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि ताइवान के प्रति नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

आनंद कुमार

संपादकीय

इंसाफ बनाम सियासत

कल्पना कीजिए। अगर ऐसी ही हमदर्दी कई आतंकवादी घटनाओं में सजा पाए मुसलमानों से दिखाई जाए या उनकी रिहाई की मांग की जाए, तो देश में कैसी प्रतिक्रिया होगी? आज के माहौल में क्या ऐसा करना संभव भी है?

निर्विवाद है कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या एक आतंकवादी कार्रवाई थी। इसके बावजूद इस कार्रवाई को अंजाम देने वाले लोगों के प्रति तमिलनाडु के आबादी के एक बड़े हिस्से में हमदर्दी बनी रही। ठीक उसी तरह जैसे पंजाब की आबादी के एक हिस्से में खालिस्तानी आतंकवादियों के प्रति रही है। उनमें वे आतंकवादी भी हैं, जिन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या की। ऐसे अपराधियों के प्रति खुलेआम सहानुभूति जताना और उनकी रिहाई की मांग करना वहां लंबे समय से जारी रहा है। तो चुनावी राजनीति के तकाजों की वजह से वहां के राजनीतिक दल भी इस मांग के साथ चलने में अपना लाभ देखते रहे हैं। लेकिन अब कल्पना कीजिए। अगर ऐसी ही हमदर्दी कई आतंकवादी घटनाओं में सजा पाए मुसलमानों से दिखाई जाए या उनकी रिहाई की मांग की जाए, तो देश में कैसी प्रतिक्रिया होगी? आज के माहौल में क्या बिना अपनी जान को जोखिम मे डाले ऐसा करना संभव भी है? इस सवाल का सीधा संबंध राजीव गांधी हत्याकांड के अपराधी एजी पेरारिवलन की रिहाई से है। उसे रिहा करने की तमिलनाडु सरकार की अपील सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार कर ली।

यूरोपीय आईटी कंपनियों की पसंद भारतीय पेशेवर

प्रवासी भारतीयों की संख्या दुनिया भर में बढ़ रही है। केवल यूरोप कि बात करें तो यहां करीब तीस लाख से ज्यादा प्रवासी रहते हैं। पिछले कुछ सालों में डेनमार्क, इटली, जर्मनी, नीदरलैंड प्रवासी भारतीयों का पसंदीदा देश रहा है। और अब उन्होंने स्वीडन की ओर रूख करना शुरू किया है। यहां आने वाले प्रवासियों में सबसे ज्यादा पेशेवर आईटी क्षेत्र में कार्यरत हैं। क्योंकि यहां कि कंपनियों के लिए भारतीय कामकाजी सबसे पसंदीदा पेशेवर बन चुके हैं।

स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम को यूरोप का सिलीकॉन वैली कहा जाता है, जहां दुनिया की कई नामचीन कंपनियों और स्टार्टअप्स का मुख्यालय है। Spotify, Skype, iZettle, truecaller, King, Storytel, Sinch, teamtailor जैसे तमाम बड़े स्टार्टअप्स के नाम इनमें शामिल हैं। वहीं Volvo, IKEA, H&M, Electrolu&, Ericsson, Sandvik, Scania,SKF, Alfa laval, Saab जैसी नामचीन स्वीडिश कंपनियों ने अपने यहां बड़ी संख्या में प्रवासी पेशेवरों के लिए दरवाजे खोले हैं। इन कंपनियों में पेशेवरों की कमी पूरी करने का काम मुख्यरूप से भारतीय आईटी प्रोफेशनल्स कर रहे हैं।

यही वजह है कि यहां रहने वाले अधिकांश प्रवासी भारतीय आईटी कंपनियों से जुड़े हुए हैं। यानी भारतीय इंजीनियरों की मांग, आईटी कंपनियों के विस्तार और तेजी से हो रहे बाजारीकरण के कारण यहां भारतीयों की संख्या बढ़ रही है। यहां शायद ही कोई ऐसी आईटी कंपनी हो जहां भारतीय काम नहीं करते।

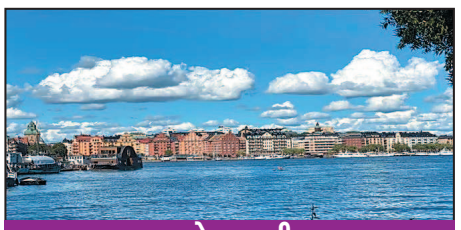

यूरोप डायरी

प्रवासी भारतीयों की संख्या दुनिया भर में बढ़ रही है। केवल यूरोप कि बात करें तो यहां करीब तीस लाख से ज्यादा प्रवासी रहते हैं। पिछले कुछ सालों में डेनमार्क, इटली, जर्मनी, नीदरलैंड प्रवासी भारतीयों का पसंदीदा देश रहा है। स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम को यूरोप का सिलीकॉन वैली कहा जाता है।

जबकि ज्यादातर कंपनियों में अहम जिम्मेदारी उठा रहे लोगों में भी भारतीय अव्वल हैं। दिलचस्प बात यह है कि अगर कोई भारतीय किसी अनजान स्वीडिश से मिले तो वे बेबाकी से कहते हैं कि आप निश्चित तौर पर इंजीनियर रहे होंगे या आपका बैकग्राउंड इंजीनियरिंग का रहा होगा तभी आपने यहां का रूख किया होगा।

सबसे पहले भारत को तवज्जों

एक स्वीडिश आईटी कंपनी में कार्यरत एक महिला ने जब कार्यालय के सहयोगियों के बारे में चर्चा शुरू की तो बताया कि उनके यहां स्वीडन के बाहर से अगर किसी आईटी प्रोफेशनल को लाने की बात होती है तो इसमें सबसे पहले भारत को तवज्जों दी जाती है। लोगों का मानना है कि भारत में बच्चों की पढ़ाई में विज्ञान और गणित पर विशेष जोर दिया जाता है। यही वजह है कि वहां ज्यादातर बच्चे आईटी क्षेत्र का रूख कर लेते हैं। इन बच्चों के शैक्षणिक आधार मजबूत होने की वजह से ही दुनिया भर में भारतीय इंजीनियरों की मांग रही है। ये उच्च गुणवत्ता वाले पेशेवर इंजीनियरों की श्रेणी में आते हैं।

यहां के सरकारी आंकड़े बताते हैं कि पिछले साल स्वीडन के लिए सबसे ज्यादा भारतीयों ने कूच किया है। पिछले साल स्वीडिश नागरिकों व स्वीडिश मूल के लोगों की बड़ी संख्या में घर वापसी हुई। इसके बाद भारतीय दूसरे स्थान पर रहे जिन्होंने स्वीडन का रूख किया था। यह भी जानने लायक है कि पिछले पांच-छह सालों में प्रवासी भारतीयों की संख्या यहां करीब दोगुनी हो चुकी है। वर्तमान में यहां तकरीबन 50 हजार प्रवासी भारतीय रहते हैं। यहां प्रवासी भारतीयों की संख्या बढ़ने के कई कारण हैं।

प्रियंवदा सहाय

मिला जुला

छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक फेडरेशन विभिन्न समस्याओं को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी को सौपा ज्ञापन

जोहार छत्तीसगढ़-देवभोग।

छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक फेडरेशन जिला गरियाबंद के जिलाध्यक्ष कुमेन्द्र कश्यप के नेतृत्व में 24 मई को विभिन्न समस्याओं के निराकरण हेतु जिला शिक्षा अधिकारी करमन खटकर सहित जिला कलेक्टर व जिला पंचायत मुख्यालय कार्यपालन अधिकारी को संविलियन पूर्व शिक्षक सवर्ग के लंबित एरियर्स की राशि, कई शिक्षकों के सीपीएस कटौती की गई राशि, छुरा ब्लॉक के अनुकम्पा नियुक्ति पश्चात शिक्षा विभाग में संविलियन हेतु अन्य विकास खण्ड के भांति देवभोग विकास खण्ड में भी ई पेमेंट के माध्यम से वेतन भुगतान, शिक्षकों के परीक्षा अनुमति आदेश एवं सभी विकास खण्ड में सेवा पुस्तिका का संधारण हेतु ज्ञापन सौपा गया। उक्त विषयों पर जिला के शिक्षा अधिकारी करमन खटकर ने सहानुभूति पूर्वक सभी समस्याओं पर गहनता से विचार करते हुए संबन्धित विकास खण्ड शिक्षा अधिकारियों से फोन पर जायजा लेते हुए निराकरण हेतु पहल की।

सीपीएस कटौती राशि के लिए देवभोग के सहायक शिक्षक फेडरेशन कर रहे अनिश्चित कालीन आंदोलन

फेडरेशन जिला टीम कल उक्त सभी समस्याओं को लेकर जिला कलेक्टर मेडम से मुलाकात की जिलाधीश ने भी समस्याओं को सुनी तथा सीपीएस कटौती की गई जिला सभी शिक्षकों का सूची संघ के माध्यम से बना कर देने की बात कही। विशेष रूप से उक्त ज्ञापन देने के लिए यागवेन्द्र गजेन्द्र प्रांतीय सह सचिव, अवनीश पत्र संयोजक, गिरधारी पटेल जिला सचिव, धनजय वर्मा छुरा ब्लॉक अध्यक्ष, बिरेन्द्र कुमार ध्रुव ब्लॉक अध्यक्ष फिंगेश्वर, यशवंत बघेल जिला प्रवक्ता, रुपिक रानी मरकाम जिला महिला प्रकोष्ठ आसुतोष अवस्थी, पूनम चंद्राकर, फनेश्वर कुमार कंवर, नरेंद्र कुमार कंवर, जिला और ब्लॉक के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सचिव आर प्रसन्न एवं कलेक्टर ने किया जिला अस्पताल का निरीक्षण

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

बेमेतरा जिला चिकित्सालय के अंतर्गत एमसीएच विंग में संचालित पोषण पुनर्वास केंद्र का राज्य सरकार के सचिव आर प्रसन्न द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जिला चिकित्सालय बेमेतरा जिसमें एन आर सी के बच्चों से मिले व परिजन से उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर संतुष्ट नजर आए वर्तमान में कलेक्टर के निर्देश पर एन आर सी 20 बिस्तर ब्यावस्था किया जा चुका है जो कि पहले 10 बिस्तर था इस केंद्र में कुपोषित बच्चो को विशेष देखरेख व उचित भोजन देकर सुपोषित किया जाता है। साथ में सीएमएचओ डॉ खेमराज सोनवानी व सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ वंदना भेले से स्वास्थ्य विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी ली विशेष कर गर्भवती महिलाओं, कुपोषित बच्चों, संस्थागत प्रसव, परिवार नियोजन कार्यक्रम, अंधत्व निवारण कार्यक्रम संचालन की जानकारी लेते हुए कमियों को दूर करने हेतु आवशयक निर्देश दिए। उक्त निरीक्षण के दौरान जिलाधीश बेमेतरा विलास भोसकर संदीपान, पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह छवई, सीएमएचओ, एसडीएम बेमेतरा दुर्गेश वर्मा, तहसीलदार बेमेतरा आशुतोष गुप्ता, डॉ प्रवीण प्रतीक प्रधान, डॉ समता रंगारी, मेट्रन देवजानी शिवारेर, संजय तिवारी के साथ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी नर्सिंग स्टॉफ उपस्थित थे।

राजीव भवन में मनाया गया शहादत दिवस

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

2013 झीरम घाट में नक्सली हमले में शहीद हुए कांग्रेस के प्रथम पंक्ति के नेतागण नंदकुमार पटेल, महेंद्र कर्मा, विद्याचरण शुक्ल, उदय मुदलियार एवं कांग्रेस पार्टी के नेतागण सुरक्षा बल के जवान और आम नागरिक कि याद में 2 मिनट का मौन रखकर सुकमा जिले के राजीव भवन में भावभिनी श्रद्धा सुमन अर्पित की गई। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्षा माहेश्वरी बघेल, नगरपालिका अध्यक्ष जगन्नाथ राजू साहू, नगर कांग्रेस अध्यक्ष शेख सज्जार, योग आयोग के सदस्य राजेश नारा, जनपद सदस्य विनोद पेद्दी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष लक्ष्मण मंडावी, खेल प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रोहित पांडे, आईटी सेल जिला अध्यक्ष रिंकू दास, एल्डरमैन हरि सेठिया, पार्षद रामसुख यादव, सपन राय, अरूण मिश्रा, निम्मू साहू, सैमुएल टुडू, सुकड़ाराम मरकाम, कैलाश साहू उपस्थिति रहे।

स्वामी आत्मानंद विद्यालय बेमेतरा का डॉ. आर प्रसन्ना ने किया निरीक्षण

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट योजना के अंतर्गत बेमेतरा में संचालित शासकीय शिवलाल राठी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बेमेतरा का निरीक्षण डॉ. आर प्रसन्ना सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा बुधवार को किया गया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय के पुस्तकालय, कम्प्यूटर लैब, जीव विज्ञान प्रयोगशाला, भौतिकी प्रयोगशाला, रसायन प्रयोगशाला तथा गणित प्रयोगशाला का निरीक्षण किया एवं विद्यार्थियों की कुल दर्ज संख्या एवं उपस्थिति संबंधी जानकारी ली। स्वामी आत्मानंद विद्यालय खुलने के पूर्व एवं विद्यालय खुलने के पश्चात् छात्रों के शैक्षणिक स्तर में हुए सुधार पर भी चर्चा की, साथ ही छात्रों के शैक्षणिक स्तर को और बेहतर करने संबंधी निर्देश भी दिए। विद्यालय की प्रमुख समस्याओं से उनको अवगत कराया गया।

झीरम शहीदों को ब्लाक कांग्रेस कमेटी के कांग्रेसियों ने दी श्रध्दांजली

जोहार छत्तीसगढ़-देवभोग।

कांग्रेस कमेटी देवभोग के कार्यकर्ताओं ने झिरम घाटी में शहीद हुये विद्याचरण शुक्ल,महेन्द्र कर्मा और नंदकुमार पटेल उदय मुदिलियार सहित सभी को श्रध्दांजली दिया। 25 मई 2013 को झिरम घाटी में नक्सली हमले में कांग्रेस ने प्रदेश के कई बडे नेता को खो दिया था।ब्लाक कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने शहीद नेताओ को याद कररते हुये दो मिनट का मौन भी रखा।ब्लाक कांग्रेस भवन मे आयोजित श्रध्दांजली सभा में जिला उपाध्यक्ष दुर्गाचरण अवस्थी, महामंत्री अरूण मिश्रा,ब्लाक अध्यक्ष भुपेन्द्र मांझी महामंत्री अरूण सोनवानी,युवा कांग्रेस अध्यक्ष भविष्य प्रधान,सूरज शर्मा,सोदर राम कश्यप,जयकुमार यादव,पदुनाथ यादव,सुफेद सिंह सोनवानी,हृदय सिंग मांझी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे। ब्लाक अध्यक्ष भुपेन्द्र मांझी युवा नेता भविष्य प्रधान ने शहीदो को याद करते हुये कहा नक्सलियो ने कांग्रेस को बडी क्षति पहुंचाया है। वही जिला महामंत्री अरूण मिश्रा ने कहा कांग्रेस ने देश के लिये बड़ी बड़ी कुर्बानी दी है। कांग्रेस की कुर्बानी को देश भुल नहीं पायेगा।

पुलिस नियंत्रण कक्ष बेमेतरा में झीरम घाटी नक्सली हमले में हुए शहीदों को दी श्रद्धांजलि

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

पुलिस नियंत्रण कक्ष परिसर में एसपी धर्मेन्द्र सिंह ने बुधवार को अधिकारियों, कर्मचारियों को झीरम श्रद्धांजलि दिवस पर दो मिनट का मौन धारण कर बस्तर के झीरम घाटी नक्सल हमले में शहीद हुए जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ पदाधिकारीगण, सुरक्षा बलों के जवानों एवं अन्य शहीदों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की साथ ही सभी प्रकार के नक्सलवाद और हिंसा का डटकर विरोध करने एवं छत्तीसगढ़ राज्य को पुनः शान्ति का टापू बनाने हेतु शपथ लिए। इस अवसर पर अति.पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल, अति. पुलिस अधीक्षक रामकुमार बर्मन, डीएसपी राजेश कुमार झा, डीएसपी कमल नारायण शर्मा, एसडीओपी बेमेतरा राजीव शर्मा, थाना बेमेतरा प्रभारी निरीक्षक प्रेम प्रकाश अवधिया, सउनि अरविंद शर्मा, सउनि रेशम लाल भस्कर, सउनि जितेन्द्र कश्यप, सउनि संतोष ध्रुर्वे सहित थाना बेमेतरा एवं पुलिस कंट्रोल रूम के अन्य अधिकारी,कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अवैध कारोबार पर कार्यवाही नहीं जाने को लेकर किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करने की दी चेतावनी

जोहार छत्तीसगढ़–कोरिया।

अब भी वक्त है जब पुलिस आपकी नहीं सुन रही है तो अपने सफेद कुर्ते को बचाने स्तीफा दीजिये आपकी सरकार में आपकी ही पुलिस और आपका प्रशासन अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने में नाकाम उपरोक्त बाते कोयलांचल में अवैध कारोबार कोयला उत्खनन, कबाड़, गांजा, शराब, जुआ सट्टा के खिलाफ कार्यवाही नहीं किए जाने को लेकर किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष श्याम बिहारी जायसवाल ने बड़ा बाजार दुर्गा पंडाल प्रांगण में एक दिवसीय जंगी धरना प्रदर्शन के दौरान कही। उन्होंने आगे कहा कि अवैध कारोबार को रोकने में आपकी पुलिस आपके एसपी नहीं सुनते हैं तो रायपुर में आप रहते हैं वहा मुख्य सचिव को शिकायत करते, ये चोरी छुपे वो भी टीआई को ज्ञापन देने से आप बचने वाले नहीं है। चिरमिरी कोयलांचल नगरी है यहां हर तरफ कोयला उपलब्ध है। कई खदानों को एसईसीएल के द्वारा कई कारणों से बंद कर दिया गया है। लेकिन उन्ही बंद खदानों से प्रतिदिन सैकड़ों लोगों के द्वारा कई टन कोयला छोटी बड़ी वाहनों के माध्यम से तस्करी कर लिया जा रहा है। जल्द ही इसकी सीबीआई जांच होने वाली है। सफेद पोश तो अब बचेंगे ही नही। आपने तो खदाने खोलने की बात कही थी लेकिन आपने तो जगह जगह अवैध माईनस खोलकर रात के अंधेरे में माईनस चलना चालू कर दिया। कोरिया बरतुंगा में बड़े-बड़े हाफर छन्ना देखने को मिलता था। जिस माईनस का फ्होटो विधायक ने बड़े-बड़े फ्लेक्सी में लगाया था उस दिन से वह छन्ना कबाड़ियों द्वारा गायब कर दिया गया। साथ ही कबाड़ गिरोह के द्वारा चिरमिरी क्षेत्र के एसईसीएल व प्राईवेट क्षेत्रों में रात के समय अवैध रूप से लोहे के स्क्रैप काटने का काम किया जा रहा है। बरतुंगा और कोरिया के 200 टन का बनकर कहा गया। सब का वीडियो मेरे पास है जल्द ही वो सफेद पोश जेल में होगा। जिसका सीधा उदाहरण कोरिया साइडिंगए वेस्ट चिरमिरी कॉलरी व डोमनहिल देवा खदान के पास एसईसीएल के बंकर व अन्य लोहे के स्ट्क्रर एक साल पहले तक देखने को मिलते थे लेकिन आज नजर ही नही आ रहे है। इससे साफ नजर आता है कबाड़ गिरोह किस हद तक चिरमिरी में अपने अवैध करोबार को फैला चुका है। जिससे राष्ट्रीय सम्पत्ति के साथ ही आम जनों को भी नुकसान पहुंचाने का काम कबाड़ माफियाओं के द्वारा अंजाम दिया जा रहा है। पूरे क्षेत्र में जनचर्चा का विषय है कि कोयला व कबाड़ के इस संगठित अवैध करोबारियों के समक्ष शासन प्रशासन केवल मुक दर्शक की भूमिका में रह गया है। इसके साथ ही संपूर्ण चिरमिरी क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों व मोहल्लों में गांजा, दारू व सट्टे का अवैध करोबार काफी जोरों से चल रहा है। जिसके कारण गांजा व शराब से जहां युवा पीढ़ी ग्रसित हो रही है तो वहीं दूसरी ओर अवैध शराब के कारण कई परिवारों के सामने जीवन यापन की समस्या आ चुकी है। ये सभी कारोबार चिरमिरी क्षेत्र में काफी पैर पसार चुका है जिसपर त्वरित कार्यवाही किया जाने की आवश्यकता है। पत्र में आगे कहा गया है कि प्रशासन के द्वारा कोयला, कबाड़, गांजा, शराब, सट्टा माफि याओं के उपर त्वरित कार्यवाही करने के साथ ही चिरमिरी क्षेत्र में शांति व्यवस्था व सामाजिक समरस्ता को बनाये रखने का कार्य किया जाना उचित चाहिए। लाहिड़ी कालेज जिसे मैं उसे मां मानता हूं आज मैं जो कुछ भी हु उस कालेज से ही हूं। उस कालेज की तुलना नालंदा, तक्षशिला से हमने किया था। जिसमे कई फेकल्टी, 50 सालों बाद स्नातकोत्तर का दर्जा हमने दिलाया था। मुझे बड़े दुख के साथ बताना पड़ रहा है कि 50 हजार किताब वहां की लाइब्रेरी से चोरी कर बेचा जा चुका है।ये केवल आरोप नही है पुसिल प्रशासन को भी आगाह कर रहा हु की 5 दिन का समय दे रहा हूं वो सभी किताबे उजाले में नही रख सकते है तो रात के अंधेरे में रख देना। अभी रायपुर जा रहा हुं 30 को तारीख दिन सोमवार को आऊंगा ईंट से ईंट बजा दूंगा।

कोई नही बचेगा चिरमिरी की लाहिड़ी कालेज जो हमारी मां समान है उसका चीर हरण बर्दास्त नहीं है। 1953 से आज तक कि वो कीमती किताबे जो पैसे से नहीं मिल सकती। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल, पूर्व मंत्री भैयालाल राजवाड़े, कोषाध्यक्ष राहुल सिंह, जिला महामंत्री जमुना पाण्डेय, भाजपा चिरमिरी मंडल अध्यक्ष रघुनंदन यादव, किसान मोर्चा प्रदेश मंत्री गोमती दिवेदी, जिला महामंत्री जमुना पाण्डेय, गौरी हथगेन सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक नजर

फिल्म डिस्को देहाती में हिंदू आस्था को ठेस पहुंचाने फिल्म वैन को लेकर हिंदू सेना ने पुलिस अधीक्षक को दिया ज्ञापन

जोहार छत्तीसगढ़–कोरिया।

देहाती डिस्को फिल्म को लेकर हिंदू सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता के आह्वान पर कोरिया जिले के जिला अध्यक्ष राजेश यादव ने देहाती डिस्को फिल्म में सनातन धर्म और हिंदू आस्था को ठेस पहुंचाने और धार्मिक आघात पहुंचाने को लेकर फिल्म के निर्देशक और कार्यवाही करते हुए फिल्म को बैन कराने के लिए विजय नगर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा गया। आपको बता दें कि हिंदी फिल्म देहाती डिस्को को लेकर हिंदू सेना ने एक बार फिर धार्मिक भावना और देवी-देवताओं के अपमान को लेकर हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता के आह्वान पर कोरिया जिला के जिला अध्यक्ष राजेश यादव और प्रदेश महामंत्री भारती सिंह और उनकी टीम के द्वारा नगर पुलिस अधीक्षक को फिल्म को बैन कराने और फिल्म के निर्देशक के ऊपर कानूनी कार्यवाही करने के लिए ज्ञापन दिया है राजेश यादव ने कहा कि जिस प्रकार से बॉलीवुड हिंदू आस्था और धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहा है यह बॉलीवुड के भविष्य के लिए ठीक नहीं है हिंदू सेना समय-समय पर इसका पुरजोर विरोध करता रहेगा।

झीरम श्रद्धांजलि दिवस पर शहीदों के सम्मान में रखा 2 मिनट का मौन

कार्यालय प्रमुखों ने नक्सलवाद और हिंसा का विरोध करने दिलाई शपथ

जोहार छत्तीसगढ़–कोरिया।

झीरम श्रद्धांजलि दिवस पर आज जिला कार्यालय सहित जिले के सभी शासकीय कार्यालयों में शहीदों के सम्मान में मौन धारण किया गया। विभाग प्रमुखों ने नक्सलवाद और हिंसा का विरोध करने और छत्तीसगढ़ राज्य को पुनः शान्ति का टापू बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित होने की शपथ भी दिलाई। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा 25 मई 2013 को बस्तर अंचल के झीरम घाटी में नक्सल हिंसा के शिकार हुए जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ पदाधिकारीगण, सुरक्षा बलों के जवान एवं विगत वर्षों तथा वर्तमान में नक्सल हिंसा में शहीद हुए अन्य सभी भाइयों बहनों की स्मृति में प्रतिवर्ष 25 मई को झीरम श्रद्धांजलि दिवस के रूप में मनाए जाने का निर्णय लिया गया है। राज्य सरकार के निर्देशानुसार आज सभी शासकीय एवं अर्द्धशासकीय कार्यालयों में नक्सल हिंसा में हुए शहीदों की स्मृति में 2 मिनट का मौन धारण किया गया तथा नक्सलवाद और हिंसा का डटकर विरोध करने एवं छत्तीसगढ़ राज्य को पुनः शान्ति का टापू बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित होने की शपथ ली।

जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति द्वारा ऋण लेने के इच्छुक व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित

जोहार छत्तीसगढ़–जशपुरनगर।

अंत्योदय स्वरोजगार अनुसूचित जाति वर्ग एवं आदिवासी स्वरोजगार अनुसूचित जनजाति वर्ग योजनांतर्गत व्यवसाय करने हेतु ऋण लेने के इच्छुक व्यक्ति से आवेदन आमंत्रित किया गया है। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति के कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि जिनकी आयु 18 से 45 वर्ष है एवं वार्षिक आय ग्रामीण क्षेत्र में 40500 एवं शहरी क्षेत्र में 51500 हो ऐसे इच्छुक व्यक्ति को बैंक के माध्यम से ऋण स्वीकृत कराकर अधिकतम 10 हजार अनुदान देने का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि आवश्यक जरूरत मंद व्यक्ति जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति, जशपुर, कक्ष क्रमांक 118 में सम्पर्क कर फार्म प्राप्त किया जा सकता है। जिसके लिए आवश्यक दस्तावेज जाति, निवास, आय प्रमाण व आधार कार्ड के साथ आवेदन जमा किया जा सकता है।

सफलता की कहानी

जिले के 4702 कृषि मजदूर के प्रथम किश्त के रूप में 94 लाख 4 हजार राशि की गई अंतरित

* छत्तीसगढ़ शासन की योजना की प्रशंसा करते हुए हितग्राहियों ने दिया धन्यवाद

जोहार छत्तीसगढ़–जशपुरनगर।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राज्य के ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूरों को मदद देने के उद्देश्य से राजीव गांधी ग्रामीण कृषि भूमिहीन मजदूर न्याय योजना संचालित कर योजना के तहत भूमिहीन परिवारों को प्रति वर्ष 7 हजार रूपए की आर्थिक सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश के 3 लाख 55 हजार 402 हितग्राहियों को प्रथम किस्त के रूप में 71 करोड़ 8 लाख 4 हजार की राशि जारी की है। इसी कड़ी में जशपुर जिले के पंजीकृत 4702 हितग्राहियों के खाते में प्रथम किश्त के रूप में 94,04,000 की राशि अंतरण किया गया है। जिसके अंतर्गत जनपद पंचायत जशपुर के 264, मनोरा के 206ए दुलदुला के 289, कुनकुरी के 648, कांसाबेल के 248, फरसाबहार के 705, बगीचा के 395 एवं पत्थलगांव के 1710 हितग्राहियों के खातें में 2.2 हजार की राशि अंतरित की गई है। हितग्राहियों ने छत्तीसगढ़ शासन को धन्यवाद देते हुए कहा कि जरूरतमंद लोगों के लिए यह योजना लाभदायक है और आर्थिक संबल मिलता है।

छत्तीसगढ़ शासन के गृह एवं पर्यटन मंत्री ताम्रध्वज साहू मां महामाया दरबार में पहुंचकर मत्था टेका प्रदेश खुशहाली की कामना

जोहार छत्तीसगढ़–रतनपुर।

रतनपुर गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू अल्प प्रवास पर रतनपुर महामाया नगरी पहुंचे जहां पर उन्होंने सपरिवार महामाया दरबार में पहुंचकर मत्था टेका और प्रदेश की खुशहाली की कामना की। वहीं उन्होंने महामाया कार्यालय में कार्यकर्ता से भेंट की महामाया मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष आशीष सिंह ठाकुर एवं मैनेजिंग ट्रस्टी सुनील, संथालिया बबलू कश्यप एवं मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी के द्वारा गृह मंत्री का शाल और श्रीफल देकर उनका स्वागत किया गया और महामाया देवी का तैल चित्र भेंट किया गया। मंदिर दर्शन कर गृहमंत्री अपने कार्यकर्ताओं से भेट मुलाकात कर नगर के बारे में जानकारी लिए ग्रामीण जिला अध्यक्ष विजय केसरवानी, नगर कांग्रेस अध्यक्ष रमेश सूर्य,पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष आनंद जायसवाल,जितेंद्र दुबे, इलियास कुरैशी,अन्य कांग्रेस पदाधिकारी मौजूद रहे।चर्चा के कुछ पल पश्चात काफिला कोरबा के लिए प्रस्थान कर लिया गया।

झीरम घाटी हमले में शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

कांग्रेस भवन में झीरम घाटी में नक्सली हमले में हुए शहीदों के प्रति श्रद्धांजलि कार्यक्रम आहूत किया गया। विगत 9 वर्ष पूर्व छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के परिवर्तन यात्रा के दौरान कांग्रेस पार्टी के प्रथम पंक्ति के नेताओं के ऊपर झीरम घाटी में प्राणघातक हमला किया गया था। जिसके अंतर्गत 32 से ज्यादा कांग्रेसजनों की जान चली गई थी। तत्कालीन केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्लएप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नंद कुमार पटेल, छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री महेंद्र कर्मा,उदय मुदलियार के साथ अन्य कांग्रेसजनों की शहादत को याद करते हुए। संसदीय सचिव एवं स्थानीय विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने इसे छत्तीसगढ़ के लिये अपूर्णीय क्षति निरूपित किया। जिला अध्यक्ष डॉ. रश्मि चंद्राकर ने अपने मार्मिक शब्दों में पुष्पांजलि अर्पित करते हुए समस्त कांग्रेसजनों से पार्टी और संगठन के लिए शहीद नेताओं के द्वारा जारी संघर्ष को जारी रखते हुए उनके कार्यो को अपनाने की बात कही वहीं पूर्व विधायक मकसूदन लाल चंद्राकर ने नेताओं के बलिदान को पूरे छत्तीसगढ़ के लिए दुखद एंव अविस्मरणीय घटना निरूपित किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कांग्रेस के उपस्थित नेतागण ने अपने-अपने अनुभव कार्यकर्ताओं के मध्य साझा किया कांग्रेस के लिए हमेशा साथ देने के वायदों का संकल्प लिया गया। समस्त कांग्रेस जनों द्वारा 25 मई को शहादत दिवस के रूप में राजकीय अवकाश घोषित करवाने हेतु राज्य शासन से मांग करने का संकल्प लिया गया। अंत मे सभी शहीदों के प्रति दो मिनट का मौन रखा गया। कार्यक्रम का संचालन शहर अध्यक्ष खिलावन बघेल ने किया जिसमें विनोद सेवनलाल चंद्राकर संसदीय सचिव एवं विधायक, डॉ.रश्मि चंद्राकर जिला अध्यक्ष,मकसूदन लाल चंद्राकर पूर्व विधायक,रावल,दिनेश दुबे,बसंत चंद्राकर,गोपी पाटकर,विनोद युगर,लीलू साहू,युवराज साहू,संतोष धीवर आदि ने अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुवे श्रद्धा सुमन अर्पित करते श्रद्धांजलि दिया गया एवं आभार प्रदर्शन गुरमीत चावला ने किया।

कलेक्टर एवं एसपी की उपस्थिति में बगीचा के ग्राम लौटा में जन शिकायत निवारण शिविर का हुआ आयोजन

ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ उठाने हेतु किया प्रोत्साहित

जोहार छत्तीसगढ़–जशपुरनगर।

ग्रामीणों के पेयजल, पेंशन, स्वास्थ्य सहित अन्य प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण करने के दिए निर्देश

कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल की उपस्थिति में बगीचा विकासखंड के ग्राम लौटा में जन शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर अग्रवाल द्वारा उपस्थित सभी ग्रामीणों को मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना, मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना सहित अन्य विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के सम्बंध में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही ग्रामीणों को धान के बदले अन्य फसल लेने, जैविक खाद के उपयोग हेतु प्रोत्साहित किया। कलेक्टर ने कहा कि शासन निरंतर ही आम नागरिकों की परेशानियों को दूर करने एवं उन्हें आगे बढ़ाने के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजना संचालित कर रही है। जिससे समाज के हर वर्ग का व्यक्ति योजना से लाभान्वित हो सके। उन्होंने सभी ग्रामीणों को शासन की योजनाओं से जुड़कर लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान कलेक्टर द्वारा ग्रामीणों से उनकी समस्याओं के बारे में विस्तार से चर्चा की गई एवं ग्रामीणों की परेशानियों को गंभीरता से सुना गया। उन्होंने ग्रामीणों के पेयजलए विभिन्न प्रकार के पेंशन भुगतान, राजस्व प्रकरण, स्वास्थ्य, बिजली बिल सुधार जैसे अन्य समस्याओं के त्वरित निराकरण करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर कृषि, पशुपालन, मत्स्य, उद्यानिकी सहित अनेक विभागों द्वारा योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के लिए स्टॉल लगाया गया।

जहां ग्रामीणों की समस्याओं का प्राथमिकता से सुनते हुए उन्हें योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान कर योजना का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही विभिन्न विभागीय योजनाओं के तहत् हितग्राहियों को सामग्रियों का वितरण कर लाभान्वित भी किया गया। इस अवसर पर एसडीएम बगीचा विजय प्रताप खेस्स, जनपद सीईओ विनोद सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के खण्ड स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

मौन सत्याग्रह जिला प्रशासन का गजब खेल, आवेदन और अनुमति में नहीं कोई मेल

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुन्द।

आम आदमी के साथ ज्यादती और प्रशासनिक अतिवाद चरम पर है। इसके विरोध में आनंदराम पत्रकारश्री का मौन सत्याग्रह एक मई से नित्य सुबह 10 से शाम 6 बजे तक जारी है। यह वह समय है। जब शासकीय कार्यालयों में कामकाज होता है। सत्याग्रह धरना की अनुमति नहीं मिलने की वजह से आनंदराम मुंह में पट्टी बांधकर, जेब में काला फीता लगाकर और घुम-घुमकर शान्तिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। सत्याग्रह को 24 मई को 192 घंटे पूरे हो गए। इस बीच,गृह विभाग के द्वारा जारी धरना,आंदोलन, जुलूस के लिए निर्धारित 19 बिंदुओं के निर्देश का परीक्षण करने आनंदराम पत्रकारश्री तीन बार अनुमति के लिए आवेदन लगा चुके हैं। पहली बार मिथ्या और मनगढ़ंत कारण बताकर आवेदन अस्वीकार कर दिया गया। दूसरे आवेदन पत्र पर किसी प्रकार का विनिश्चय की सूचना आवेदक को नहीं दी गई। तीसरी बार आवेदन करने पर पांच शर्तों के अधीन केवल एक दिन और अकेले ही मौन सत्याग्रह करने की अनुमति दी गई है। इससे सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि मौन सत्याग्रह से प्रशासनिक अमला किस कदर चिंतित है। उन्हें पोल खुलने और खुद के द्वारा बरती गई गंभीर लापरवाही पर दंडात्मक कार्यवाही होने का भय सता रहा है। यही वजह है कि मौन सत्याग्रह जैसे शांतिपूर्ण आंदोलन की भी अनुमति देने में तरह-तरह का कुचक्र रच रहे हैं। इसे प्रशासनिक स्वेच्छाचारिता और गृह विभाग के दिशा निर्देश के प्रतिकूल बताते हुए इस अनुमति का श्सविनय अवज्ञा करने का आनंदराम ने विनिश्चय किया है।

मौन सत्याग्रह से मचा हड़कंप

मीडिया को जारी बयान में आनंदराम पत्रकारश्री ने कहा है कि उनके मौन सत्याग्रह से प्रशासन तंत्र में भीतर ही भीतर हड़कंप मचा हुआ है। अपनी लापरवाही और स्वेच्छाचारिता को छुपाने नित्य नया कुचक्र रच रहे हैं। उन्होंने अम्बेडकर चौकए बुद्ध विहार गली में अपने पंजीकृत प्रेस कार्यालय के समीप निरापद स्थल

पर मौन सत्याग्रह की अनुमति मांगी थी। जिससे कि उनके पंजीकृत पते पर आने वाले पत्रए पत्रकारश्री से मिलने कार्यालय के पते पर पहुंचने वाले लोगों से संपर्क कर पत्रकारिता धर्म का निर्वहन कर सकें। पहले तो बिना किसी पूर्व सूचनाए किसी सक्षम आदेश अथवा मुआवजा दिए बिना ही प्रेस कार्यालय को दो बुलडोजर लगाकर ढहा दिया गया। अब वहां एक किनारे में बैठकर शान्ति पूर्ण प्रदर्शन करने के साथ ही अपना कामकाज करने की भी अनुमति नहीं देकर स्वतंत्र रूप से पत्रकारिता करने से रोका जा रहा है।

देर शाम व्हाट्सएप पर जारी हुआ यह अनुमति पत्र

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी ने 24 मई 2022 को देर शाम व्हाट्सएप पर जारी किए अनुमति पत्र में पांच शर्तें लगाते हुए सशर्त अनुमति दी है। जिसमें 25 मई को पांच सूत्रीय मांगों के संबंध में मौन सत्याग्रह का उल्लेख किया गया है। जबकि आवेदन में 25 मई से मांगें पूरी होते तक मौन सत्याग्रह का उल्लेख है। जिसकी अनदेखी करने की वजह से इस अनुमति की सविनय अवज्ञा करने का आनंदराम ने निश्चय किया है। अनुमति पत्र में एडीएम ने धरना स्थल पटवारी कार्यालय के सामने निर्धारित किया गया है। जबकि अपने प्रेस कार्यालय के पास खाली स्थान में धरना प्रदर्शन करने की अनुमति मांगा था। यह वह स्थान है। जहां नजदीक में उनका प्रेस कार्यालय था। जिसे उच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना करते हुए बलपूर्वक जबरिया तोड़-फोड़ कर मलमा को छोड़कर आरोपी मौके से फरार हो गए हैं। रिपोर्ट परसिटी कोतवाली पुलिस जांच के नाम पर कागजी खानापूर्ति कर रही है। महीने भर बीतने को हैए अब तक एफआईआर भी दर्ज नहीं की गई है।

बेलगाम अफसरशाही से हो रही बदनामी

इस प्रकार एक बार फिर अफसरशाही का बड़ा नमूना देखने को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर की जा रही इस तरह की कार्यवाही के विरोध में उन्होंने श्ज्ञापन अभियान प्रारंभ किया है। जिसमें सत्तारूढ़ दल, विपक्ष और संवैधानिक पदों पर आसीन लोगों को ज्ञापन सौंपकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को छिन्न-भिन्न करने वाले लोकसेवकों पर लगाम लगाने की मांग की जा रही। जिले में प्रशासनिक अतिवाद की स्थिति यह है कि राज्यपाल और मुख्यमंत्री के निर्देश, उनके सचिवालय से जारी पत्रों पर भी कार्यवाही नहीं की जा रही है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि बेलगाम अफ सर, सरकार को बदनाम करना चाहते हैं। सरकारी दफ्तरों में आम आदमी का काम नहीं हो रहा है। हर छोटे-बड़े काम के लिए सत्तारूढ़ दल के लोगों को अफ सरों को फोन करना पड़ता है।

विकास कार्यों का बकाया भुगतान मिलने सोरिद के पूर्व सरपंच छः बेटियों के साथ भूख हड़ताल पर

पहले डेढ़ लाख मिला, दो लाख अभी बाकी

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुन्द।

विकास कार्यो के बकाया भुगतान की मांग को लेकर ग्राम पंचायत सोरिद के पूर्व सरपंच ईश्वर प्रसाद ध्रुव ने 25 मई से जिला मुख्यालय में पटवारी कार्यालय के सामने अपनी 6 बेटियों के साथ अनिश्चित कालीन भूख हड़ताल प्रारंभ कर दिया है।

अनशनकारी ईश्वर प्रसाद ध्रुव ने जोहार छत्तीसगढ़ को बताया है किए वे वर्ष 2010 से वर्ष 2015 तक ग्राम पंचायत सोरिद के सरपंच रहे थे। अपने कार्यकाल में उन्होंने जन अपेक्षाओं के अनुरूप विकास के अनेको कार्य करवाये थे जिनमें आंगनबाड़ी भवन,सामुदायिक भवन, दिव्यांग शौचालय तथा मिड डे मिल के लिये किचन शेड और रंगमंच के कार्य करवाये थे। इसके लिये 3 लाख 48 हजार का भुगतान उन्होंने खुद किया था। साल 2015 में नवीन पंचायत गठित होने के बाद पूर्व सरपंच ईश्वर ध्रुव को बकाया भुगतान करने के लिये पंचायत सचिव हेमलाल बघेल लम्बे समय तक टरकाता रहा। फिर तत्कालीन महिला सरपंच गंधर्व से मिली भगत कर बकाया राशि का आहरण कर लिया गया और उसे पूर्व सरपंच ईश्वर ध्रुव को न लौटाकर अनाप-शनाप कार्यों में खर्च होना बता दिया। इस मामले में पूर्व सरपंच ईश्वर ध्रुव ने 17 अक्टूबर 2019 को कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत और सीईओ जनपद पंचायत को पत्र प्रस्तुत कर सरपंच सचिव के भ्रष्टाचार की जांच और बकाया 3 लाख 48 हजार का भुगतान दिलाये जाने की मांग की थी। 17 अक्टूँबर 2019 के आवेदन पर कार्यवाही लम्बित रहने से 7 मार्च 2019 को ईश्वर ध्रुव ने पुन: मुख्यमंत्री, पंचायत मंत्री और कलेक्टर से पत्र देकर 17 मार्च 2020 से अपने बूढ़े मा-बाप और 10 बेटियों के साथ अश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठने की घोषणा कर दी। तब 9 मार्च 2020 को ही तत्कालीन जनपद अध्यक्ष भागीरथी चंद्राकर की मौजूदगी में बकाया भुगतान हेतु बनी सहमति के दौरान तत्कालीन सरपंच, पूर्व सरपंच, पंचायत सचिव और पंचायत क्षेत्र के ग्रामीणजन भी मौजूद थे। मगर फिर वही ढाक के तीन पात वाली बात हुई और 15 माह तक भुगतान न मिलने से ईश्वर ध्रुव ने 26 अगस्त 2021 से पुन: भूख हड़ताल पर बैठने का निर्णय लेकर 17 अगस्त को ही मुख्यमंत्री और कलेक्टर आदि को अपने फैसले से अवगत करा दिया। 23 अगस्त को उन्हें अनशन की पूर्व सूचना भी दें दीं। पूरा पंचायत विभाग इससे सकते में आ गया था। 25 अगस्त को जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अति मु. का. पा. अधिकारी, पंचायत इंसपेक्टर,पंचायत सचिव और थाना प्रभारी की मौजूदगी में सरपंच सुशीला गंधर्व और सचिव हेमलाल बघेल द्वारा किए गए गबन की जाँच और बकाया भुगतान को लेकर लिखित समझौता होने के बाद ईश्वर ध्रुव ने 26 अगस्त से किया जाने वाला भूख हड़ताल स्थगित कर दिया गया। अब कब तक ईश्वर प्रसाद ध्रुव को बकाया 3,48000 में केवल 1,45000 का ही भुगतान, प्राप्त हुआ है। शेष बकाया 2 लाख 3 हजार भुगतान मिलने के लिये पूर्व सरपंच ईश्वर ध्रुव ने आज से हड़ताल प्रारंभ कर दिया है। प्रथम दिवस ईश्वर के साथ भूख हड़ताल में उसकी आधा दर्जन बेटियां अनुराधा 20, सभ्यता ;18, पूनम 14, लक्ष्मी 12, याचना 3,रुपाली 5 तथा एक बालक नीलेश ;14 भी हड़ताल में शामिल रहे। अपरान्ह मेडिकल टीम द्वारा पूर्व सरपंच ईश्वर और हड़ताली बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया है।

रिश्वतखोर हेड मास्टर की शिकायत कलेक्टर से

स्कूल भवन हस्तांतरण प्रमाण पत्र के लिए पूर्व सरपंच से रिश्वत की मांग

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

पिथौरा ब्लाक के समीप के ग्राम बरेकेल में एक बार फिर पूर्व आदिवासी सरपंच से 12 वर्ष पूर्व प्राथमिक शाला में निर्मित अतिरिक्त भवन हस्तांतरण प्रमाण पत्र में हस्ताक्षर करने के लिए उक्त शाला के हेडमास्टर द्वारा रिश्वत मांगने का मामला सामने आया है। प्रार्थी पूर्व सरपंच द्वारा मामले की शिकायत कलेक्टर जनदर्शन में की गई है। इस सम्बंध में उक्त प्रधान पाठक ने इस प्रतिनिधि के सामने बताया कि वे अब कार्य पूर्णता एवं हस्तांतरण प्रमाण पत्र में हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है।

पिथौरा ब्लॉक के ग्राम बरेकेल के पूर्व सरपंच पुरूषोत्तम लाल ध्रुव ने कलेक्टर महासंमुन्द को लिखित शिकायत करते हुए बताया कि वह गरीब है। लेकिन ग्राम के निवासियों के चाहने पर वर्ष 2009 से 2014 तक पुरुषोत्तम सरपंच पद पर कार्यरत था। इसी दौरान शासन के निर्देश पर 2012-13 में राजीव गांधी शिक्षा मिशन योजना के तहत मीडिल स्कूल में दो अतिरिक्त कक्ष एवं निर्माण कार्य आदेशित हुआ था। 2.64 लाख रूपया की स्वीकृति प्रदान की गई थी। हेडमास्टर अंतर्यामी प्रधान द्वारा कलेक्टर का आदेश आया है। जल्दी-जल्दी काम करने का दबाव डालकर उनसे अतिरिक्त भवन निर्माण कार्य करवाते रहे। वे स्वयं कार्य सम्पूर्ण होते तक निरीक्षक का कार्य करते रहे। मेरे द्वारा सभी काम सम्पूर्ण कराया गया परन्तु शासन की ओर से 1.37 लाख रूपया ही अब तक भुगतान किया गया है। शेष बाकी राशि 1.27 लाख के भुगतान के लिए वे शिक्षा विभाग एवं जिला कलेक्टर में सारे दस्तावेज जमकर 1.27 रूपया के भुगतान के लिए आज 10 वर्ष से भटक रहे हैं । परन्तु मुझे भुगतान हेतु कार्य पूर्णता एवं विभाग के हस्तांतरण का प्रमाण पत्र भी जमा करने कहा गया। इस हेतु ज़ब ध्रुव हेडमास्टर के पास गए तब उन्होंने मोटी रकम कमीशन के रूप में मांग की। पूर्व सरपंच ने बताया कि उन्होंने हेडमास्टर के दबाव में अपना निजी रूपये लगाकर बच्चों के पढ़ने-लिखने के लिए शासन के मंशा के अनुरूप कार्य कराया है। अभी भी मजदूरों का बकाया राशि नहीं दिया हूं। ये सभी जरूरतमंद लोग मुझे बार-बार तुम रूपया निकाल कर खा गये हो मैं गरीब आदिवासी अब क्या करूं? कृपया मेरे प्रति न्याय करते हुए सम्पूर्ण हो चुके स्कूल का निर्माण के बकाया राशि का 1.27 लाख का भुगतान शीघ्र करने की कृपा करेंगे। अतिरिक्त कक्ष में पढ़ाई लिखाई का कार्य स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा निर्वावाद रूप से आज तक जारी है। बता दें बरेकेल पंचायत में युवाओं को वृद्धा पेंशन देने का मामला चर्चित रहा, जिसकी शिकायत इसी पूर्व सरपंच ने की थी।

कलेक्टर जन दर्शन से उम्मीद जगी

जबकि ध्रुव के अनुसार वे दर्जनों बार वर्तमान सरपंच डोलमती साहू का भी चक्कर लगा चुकी है। उन्होंने भी पहले प्रधान पाठक के हस्ताक्षर की सलाह दी थी। इस तरह हेडमास्टर एवं सरपंच की पहले आप पहले आप की सलाह से एक भवन निर्माण का सवा लाख रुपये विगत 12 वर्षों से अटका पड़ा है। इस प्रशासनिक मनमानी से एक निर्धन निवर्तमान सरपंच 12 वर्षों से चक्कर लगाने मजबूर है। परन्तु अब कलेक्टर जन दर्शन में शिकायत के बाद उनकी उम्मीद जगी है।

बंसल क्लासेस के बालको स्टडी सेंटर का भव्य शुभारंभ

कोरबा । कोटा राजस्थान की प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान बंसल क्लासेस के स्टडी सेंटर का भव्य शुभारंभ बालकोनगर में किया गया। मुख्य अतिथि अभिजीत पतिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशकबालको ने दीप प्र%जवलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।बंसल क्लासेस द्वारा छात्रों को आईआईटी.जेईई एनईईटीए एनटीएसई एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करायी जाती है।बंसल क्लासेस के कोरबा सेंटर का संचालन विगत 9 वर्षों से किया जा रहा है। सेंटर ने निरंतर कोरबा का सर्वश्रेष्ठ परिणामए प्रतियोगी परीक्षाओं में ही नहीं अपितु बोर्ड परीक्षाओं में भी दिया है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अभिजित पति ने विद्यार्थियों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि देश के उत्तरोत्तर विकास में शिक्षित युवाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण है।

एक नजर

नौतपा के पहले दिन दिखा भीषण गर्मी का असर

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

जिला मुख्यालय में नौतपा के पहले दिन दिखा भीषण गर्मी का असर, दोपहर में लोग अपने घरों से चिलचिलाती धूप से बचने के लिए छाता लेकर सड़कों पर निकल रहे है। आज 25 मई से शुरू होकर 8 जून तक नौतपा रहेगा। वहीं मौसम के अनुसार दोपहर में तापमान अधिक होने से गर्म हवा के साथ-साथ लु चलने की संभावना बन गई है। वहीं भीषण गर्मी के वजह से नदी-नालों में जल स्तर घट रहा है।

झीरम श्रद्धांजलि दिवस पर शहीदों के सम्मान में रखा गया 2 मिनट का मौन

नक्सलवाद और हिंसा का विरोध करने दिलाई शपथ

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

झीरम श्रद्धांजलि दिवस पर आज जिला कार्यालय सहित जिले के सभी शासकीय कार्यालयों में शहीदों के सम्मान में 2 मिनट का मौन धारण किया गया। विभाग प्रमुखों ने नक्सलवाद और हिंसा का विरोध करने और छत्तीसगढ़ राज्य को पुन: शान्ति का टापू बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित होने का शपथ भी दिलाई। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा 25 मई 2013 को बस्तर अंचल के झीरम घाटी में नक्सल हिंसा के शिकार हुए जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ पदाधिकारीगण, सुरक्षा बलों के जवान एवं विगत वर्षों तथा वर्तमान में नक्सल हिंसा में शहीद हुए अन्य सभी भाइयों-बहनों की स्मृति में प्रतिवर्ष 25 मई को झीरम श्रद्धांजलि दिवस के रूप में मनाए जाने का निर्णय लिया गया है। राज्य सरकार के निर्देशानुसार आज सभी शासकीय एवं अर्द्धशासकीय कार्यालयों में नक्सल हिंसा में हुए शहीदों की स्मृति में 2 मिनट का मौन धारण किया गया तथा नक्सलवाद और हिंसा का डटकर विरोध करने एवं छत्तीसगढ़ राज्य को पुन: शान्ति का टापू बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित होने का शपथ लिया।

गादीरास के अतिसंवेदनशील क्षेत्र ग्राम परिया पहुंचे सुरक्षा बल के जवान

जवानों ने ग्रामीणों से मुलाकात कर जानी गांव की समस्या

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

जिला सुकमा में पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में जिला पुलिस बल एवं डीआरजी का संयुक्त बल नक्सल अभियान हेतु 22 मई 2022को ग्राम परिया,नागलगुड़ा, टोटापारा, डेट परिया व आसपास क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे। कि अभियान के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा ग्राम परिया के ग्रामीणों में मुलाकात कर उनकी समस्याओ के बारे में बातचीत कर जानकारी ली गई।

क्रांकीट से स्ट्रेचर तैयार

गांव में स्थित हैण्डपम्प के आसपास गंदगी देख जवानों ने तत्काल किया सीमेंट

ग्रामीणों द्वारा गांव में सड़कए बिजली, नेटवर्क, स्वास्थ्य सुविधा न होने जैसे समस्याओं के बारे में बताया। इसी दौरान जवानों ने देखा की गांव में स्थित हैण्डपम्प जहां से सभी ग्रामीण पीने का पानी ले जाते है। उसके आसपास काफी किचड़ व गंदगी फैला हुआ था। जिसे देख सभी जवानों ने तत्काल हैण्डपम्प के आसपास की गंदगी की साफ सफाई कर सीमेंट कांकीट से स्ट्रेचर तैयार किया गया। उक्त कार्य निरीक्षक रितेश यादव थाना प्रभारी गादीरास, उनि दीपक ठाकुर डीआरजी कमांडर उनि. संदीप सिंह डीआरजी कमांडर एवं उनि दीनानाथ वैष्णव डीआरजी कमांडर के कुशल नेतृत्व में पूर्ण किया गया।

सोनहत के घुघरा गौठान के निरीक्षण पर पहुंचे सरगुजा संभाग आयुक्त

गौठान आजीविका में संलग्न महिलाओं से बात कर बेहतर काम करने किया उत्साहवर्धन

जोहर छत्तीसगढ़-कोरिया।

सरगुजा संभाग आयुक्त जीआर चुरेन्द्र जिला प्रवास के दौरान कलेक्टर कुलदीप शर्मा और सीईओ जिला पंचायत कुणाल दुदावत के साथ विकासखण्ड सोनहत के गौठान घुघरा में आजीविका गतिविधियों का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने गौठान में संचालित मल्टीयूटीलिटी सेंटर का अवलोकन करते हुए स्व सहायता समूह की महिलाओं से गतिविधियोंएं उत्पादन और आमदनी पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। संभाग आयुक्त के साथ चर्चा में मल्टीएक्टिविटी सेंटर में फ्लाई ऐश ईंट निर्माण का कार्य कर रही समूह की सदस्य पुष्पा ने बताया कि समूह द्वारा 3 लाख 10 हजार 125 ईंट का 10 लाख 85 हजार 437 रुपए में विक्रय किया गया है। जिससे समूह को कुल 2 लाख 72 हजार 624 रुपए का शुद्ध लाभ हुआ है। इस दौरान संभागायुक्त चुरेन्द्र ने चप्पल निर्माण और पेवर ब्लॉक निर्माण यूनिट का भी अवलोकन किया। गौठान में गोबर खरीदी और वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन का निरीक्षण कर चुरेन्द्र ने कहा कि खाद की गुणवत्ता एवं शुद्धता का ध्यान रख निर्माण करें। उत्पादक समूह की महिलाओं ने बताया कि 7 लाख 18 हजार रुपए के खाद विक्रय से हमें 2 लाख 23 हजार रुपए का शुद्ध लाभ हुआ है। इस दौरान उन्होंने गौठान में उपस्थित लोगों से गोबर खरीदी को बढ़ाने के निर्देश दिए। इस दौरान सुशीला ने बताया कि गोबर विक्रय से उन्हें 10 हजार रुपए की आय हुई है जिससे उन्होंने घरेलू आवश्यकताओं के साथ बीमारी का इलाज करवाया है। बकरी एवं मशरूम शेड का निरीक्षण कर चुरेन्द्र ने महिलाओं को आय बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

धान के अलावा उद्यानिकी फसलों का किसान करा सकेंगे बीमा

कोरबा । जिले में खरीफ वर्ष 2022-23 के अंतर्गत उद्यानिकी फसलों टमाटर, केला, बैगन, मिर्च, अदरक, पपीता, अमरूद के लिए जिले के किसान बीमा करा सकते हैं। बीमा कराने की अंतिम तिथि 15 जुलाई निर्धारित की गई है। चालू खरीफ मौसम में जिले के सब्जी और फ्ल उत्पादक किसानों की फसलों का भी बीमा कराया जाएगा। मौसम आधारित फसल बीमा योजना के तहत प्रतिकूल मौसम से उद्यानिकी फसलों को होने वाले नुकसान की भरपाई किसानों को हो सकेगी। किसानों को फसलों के बीमा के लिए निर्धारित ऋणमान का पांच प्रतिशत प्रीमियम के रूप में देना होगा। शेष प्रीमियम की राशि 50-50 प्रतिशत राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा दिया जाएगा। पुर्नगठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के अंतर्गत जिले के किसान बीमा का लाभ लेने के लिए अपने नजदीकी लोक सेवा केंद्र, बैंक शाखा, सहकारी समिति, बीमा कंपनी बजाज एलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी के प्रतिनिधि या शासकीय उद्यान रोपणी से संपर्क कर अपने उद्यानिकी फसलों का बीमा करवा सकते हैं।

सरकारी समितियों में डीएपी और इफ्को खाद की कमी से क्षेत्र के किसान परेशान

जोहार छत्तीसगढ़-सीतापुर।

खाद्य मंत्री और सीतापुर विधायक अमरजीत भगत के अपने विधानसभा क्षेत्र और गृह जिले सरगुजा के सहकारी समितियों में इनदिनों डीएपी और इफ को खाद की कमी को लेकर किसानों को सहकारी समितियों से वापस लौटना पड़ रहा है।

जोहार छत्तीसगढ़ विशेष खबर

क्योंकि किसानों को यहां के सोसायटी में डीएपी और इफ को खाद नहीं मिल पा रहा है। यहीं कारण है किसान दुकानों से औने-पौने दामों पर डीएपी और इफको खाद खरीदने को मजबूर है। आपको बता दे कि पूरें मामलें में सरगुजा के पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष और बीजेपी नेता प्रभात खलखों ने सूबे की कांग्रेस सरकार और मंत्री अमरजीत भगत पर हमला बोला है और आरोप लगाया है कि कांग्रेस की सरकार हमेशा से किसानों को छलते आ रहीं है यहीं कारण कि यहां के सहकारी समितियों में जान्बूझकर डीएपी और इफको खाद की कमी की जा रहीं है ताकि इसके इसका फायदा कांग्रेस के दलाल और मंत्री अमरजीत भगत के इर्दिर्द घूमने वालें कांग्रेसी नेता और दलाल अपनी दुकानों से किसानों को डीएपी और इफ्को खाद बेच सकें और अपना फायदा कमा सकें,यहीं कारण है कि यहां के सहकारी समितियों में डीएपी और इफ को खाद की कमी की जा रहीं है और किसानों को जबरन अमानक गोबर खाद दिया जा रहा है। प्रभात खलखो पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष सरगुजा पहचान सफेद कुर्ता पहने हुए है। वहीं पूरें मामलें में पूर्व जिला पंचायत सरगुजा के उपाध्यक्ष और बीजेपी नेता प्रभात खलखो के तमाम आरोपों को खारिज और पटलवार करते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तिलक राज बेहरा ने बताया कि सरकार सहकारी समितियों में डीएपी और इफ्को खाद की आपूर्ति के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रहीं है ताकि किसानों को सहकारी समितियों से वापस लौटना न पड़ें, वहीं उन्होंने यह भी बताया कि गोबर खाद अमानक खाद नहीं है बल्कि अच्छा खाद है,वहीं कांग्रेस सरकार के अच्छे कामों को देखकर बीजेपी के नेता बौखला गए है और बीजेपी नेताओं के पास अब कोई मुद्दा नहीं रह गया है इसलिए वे जबरन बेबुनियाद आरोप लगा रहें है, वहीं उन्होंने यह भी बताया कि डीएपी और इफ को खाद के ज्यादा से ज्यादा दुकान बीजेपी के नेताओं ने डालकर रखा हुआ है और वे ही डीएपी और इफ को खाद को औने्पौने दामों में किसानों को बेचकर किसानों से दोहरा लाभ ले रहें है। जिससे उनको किसानों की मजबूरी से फायदा मिल सकें,वहीं उन्होंने यह भी बताया कि बीजेपी नेताओं द्वारा व्यापारियों से सांठ-गांठ कर डीएपी और इफको अधिक दामों पर खाद बेचा जा रहा है यह बहुत गलत बात है और जल्द ही इस पर हमारें द्वारा कार्रवाई कराई जाएगी। तिलक राज बेहरा अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सीतापुर पहचान आसमानी शर्ट पहने हुए है। वहीं पूरें मामलें में सीतापुर से लगें आमाटोली सहकारी समिति के केंद्र प्रभारी श्रीकांत गुप्ता ने भी माना है कि सहकारी समितियों में अभी डीएपी और इफ्को खाद की कमी है जिससे किसानों को वापस लौटना पड़ रहा है लेकिन उनको आरओ काटकर दिया गया है और जब डीएपी और इफ को खाद सहकारी समितियों में आएगी तब किसानों को दिया जाएगा। बहरहाल विपक्ष और सत्तापक्ष के नेता आपस में राजनीति और आरोप प्रत्यारोप करने से बाज नहीं आ रहें है,वहीं सहकारी समितियों में डीएपी की कमी से किसानों को वापस लौटना पड़ रहा है और दुकानों से औने्पौने दामों में खरीदना पड़ रहा है। वहीं देखने वाली बात तो यह होगी कि आखिरकार कब तक किसानों को सहकारी समितियों से डीएपी और इफ को खाद मिल पाता है ये तो समय ही बताएगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक नारायण बाईन, द्वारा आसमा पब्लिसर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित कर मेडरमार कालोनी, जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित।
संपादक -नारायण बाईन, फोन -फैक्स 07766299001, मो, 9479177711, 7489419194 Email-joharchhattisgarh@gmail.com, joharchhattisgarh@yahoo.co.in